Regarding need to connect stepwells in Udaipur as a perennial water sources under Jal Jeevan Mission and develop them as `Gram Teerth` under cultural tourism-Laid

डॉ. मन्ना लाल रावत (उदयपुर) : विश्व आज शुद्ध पेयजल की कमी से जूझ रहा है । भारत सरकार भी जल जीवन मिशन चला कर हर घर शुद्ध पेयजल पहुँचाने को कटिबद्ध है । परन्तु मेरे लोकसभा क्षेत्र उदयपुर (राजस्थान) में 100 से अधिक बावड़ियों की जानकारी आई है, जिनका जल संरक्षण, सांस्कृतिक मिलन और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रहा है । समाज के विविध तीज - त्यौहार भी यहां बनाए जाते रहे है । इन स्थानों पर देवी - देवताओं के स्थान रहे हैं, लेकिन विगत कालखंड में ये पावन स्थान उपेक्षित होते गये, जिसमें प्रदूषण व मलबे के डंपिंग यार्ड भी बनाए जा रहे है । उदयपुर शहर में एक बावड़ी में मिट्टी डाल कर कब्जा करने की घटना भी चर्चा मे रही है । सनातन धर्म, संस्कृति व परम्परा में वास्तुकला के ये महत्वपूर्ण स्थान ग्राम समाज के स्थानीय तीर्थ के रूप में पुनः प्रतिष्ठित हो सकते है । मेरा सरकार से निवेदन है कि इन स्थानों को जल जीवन मिशन से जोड़कर जल स्रोत के रूप मे काम में लेने के साथ ही सांस्कृतिक पर्यटन में ग्राम तीर्थ के रूप में भी विकसित करने की आवश्यक है । यह कदम विकसित भारत @2047 की राह में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है ।